सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश
Sardar Vallabhbhai Patel University of Agricullture and Technology
Meerut, Uttar Pradesh

कार्ययोजना

100 दिन की कार्ययोजना

शिक्षा

1. विश्वविद्यालय की समस्त शैक्षणिक गतिविधियों को गति देने हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से शैक्षणिक प्रबन्धन प्रणाली (एकेडमिक मैनेजमेंट सिस्टम) कियान्वित किया जायेगा जिससे विद्यार्थियों का पंजीकरण, फीस जमा करना, कोर्स ऑफर, कक्षा में उपस्थिति, ग्रेड रिपोर्ट, क्लास लेक्चर, शिक्षक विद्यार्थी संवाद आदि की ऑनलाईन उपलब्धता होगी। इस प्रकार की प्रणाली से विद्यार्थियों की शैक्षणिक गतिविधियों से संबंधित समस्त कार्य सुगमता एवं पारदर्शिता से बिना किसी कठिनाई के सम्पादित हो सकेगें।
2. भारत सरकार द्वारा संचालितनेशनल एकेडमिक डिपोजिटरी पोर्टल (NAD) के अंतर्गत डिजिलॉकर सिस्टम विश्वविद्यालय में कियान्वित किया जायेगा जिससे समस्त छात्र आवश्यकता पडने पर समय व्यर्थ किये बिना ऑनलाईन अपने अंकपत्र एवं डिग्री प्राप्त कर सकेगें एवं कोई भी संस्था किसी भी छात्र के डिग्री व अंकपत्रों का सत्यापन भी सुगमता से कर सकती है।
3. विश्वविद्यालय के कृषि, जैव प्रौद्योगिकी एवं पशुचिकित्सा तथा पशुविज्ञान महाविद्यालयों का भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वाराAccrediation प्राप्त करना।
4. महाविद्यालयों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों में शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर पदों पर भर्ती की प्रकिया पूर्ण करना।

शोध

1. विश्वविद्यालय में बायो तकनीक के प्रयोग से बासमती धान पर शोध के लिए Centre of Excellence की स्थापना एवं कार्य चालू रखना।
2. संरक्षित खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रीन हाऊस/पाली हाऊस आदि का निर्माण कराना।
3. बाह्य संस्थाओं से वित्तीय सहायता हेतु शोध परियोजनाऐं प्रेषित करना जिससे अधिकतम संसाधन स्थापित किए जा सकें।
4. प्राकृतिक एवं गौ–आधारित खेती को बढ़ावा देने के लिए परीक्षण आयोजित करना।
5. उद्यमिता विकास हेतु भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद के साथ एमओयू करना।

प्रसार

1. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृति कृषि विज्ञान केन्द्र की कार्ययोजना के अनुरूप जनपद के कृषकों, बेरोजगार युवक एवं युवतियों तथा प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण, प्रदर्शन, किसान गोष्ठी एवं किसान मेला आयोजित कर लाभान्वित किया जायेगा।
2. विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र के जनपदों में कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से फसल अवशेष प्रबन्धन परियोजना के अन्तर्गत फसल अवशेष प्रबन्धन के लिए प्रशिक्षण प्रदर्शन जागरूकता अभियान, दीवार

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)

लेखन, दूरदर्शन/आकाशवाणी, किसान मेला एवं गोष्ठीआदि के माध्यम से कृषकों को जागरूक किया जायेगा।

06 माह की कार्य योजना

शोध

1. Under utilized फसलों के grain से बिस्किुट इत्यादि तथा जगरी चॉकलेट आदि तैयार करने की तकनीक विकसित करने से सम्बन्धित शोध कार्य।
2. विश्वविद्यालयएवं दयाल ग्रुप, मेरठ के साथ हुए एमओयू अनुसार सहयोगात्मक अनुसंधान एवं कृषि विकास को सुविधा जनक बनाने तथा कृषि शिक्षा एवं उद्योगों के बीच समन्वय स्थापित करने के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिये उन्नत कृषिपद्धतियों पर किये जा रहे नये शोध कार्यो को अपनाने वाले 06 प्रगतिशील किसानों को पुरस्कार एवं दयाल फारमर्स क्लब की एक वर्ष की सदस्यता के साथ जय किसान, जय विज्ञान ट्रॉफी दिये जाने के संबंध में कार्यवाही करना।
3. पशुधन प्रसार अधिकारी जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत पशुधन प्रसार अधिकारियों जिनका मुख्य कार्य क्षेत्र में टीकाकरण करना है को टीकाकरण के संबंध में आधुनिक जानकारी एवं जागरूकता हेतु मेरठ के NADCP केन्द्र द्वारा एक सप्ताह का जागरूकता एवं रिफ्रेशर कोर्स विश्वविद्यालय के माध्यम से शुरू किया जायेगा।

प्रसार

1. आगामी खरीफ अभियान 2022 के अन्तर्गत कार्यक्षेत्र के प्रत्येक कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से 15–20 गाँवों में विशेष अभियान के अन्तर्गत बीज शोधन, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, खरीफ फसलों की नवीनतम प्रजातियों एवं उत्पादन तकनीकियों की जानकारी के साथ–साथशासन की अन्य योजनाओं की जानकारी देकर लाभान्वित किया जायेगा।

एक साल की कार्य योजना

शिक्षा

1. पश्चिमी क्षेत्र की आवश्यकताओं को देखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, मेरठ में गन्ना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय शुरू करने में रूचि दिखायी है। इस विषय में कार्य प्रगति पर है।

2. विश्वविद्यालय को कृषि, कृषि निर्यात, खाद्य प्रसंस्करण, मूल्य श्रंखला विकास, खाद्य सुरक्षा, कृषि में सूचना प्रौद्योगिकी का प्रयोग आदि जैसे विषयों पर ग्रामीण युवाओं (महिलाओं सहित) के लिए कौशल और उद्यमिता विकास के लिए प्रस्ताव/पाठ्यक्रम तैयार करने के प्रयास किये जायेगे तथा इन पाठ्यक्रमों को केवल कृषि स्नातकों के लिये ही नहीं बल्कि वाणिज्य या इंजीनियरिंग स्नातकों या अन्य लोगों के लिए जो भी रूचि रखते हैं के लिये भी खुला रखने के लिए प्रयास किये जायेगे।

शोध

1. मेरठ जिले में डेयरी किसानों के लिये विशिष्ट खनिज मिश्रण का उत्पादन करना।
2. विश्वविद्यालय के मुख्यालय पर रिक्त भूमि का चिन्हांकन कृषि, फलों के पेड़ आदि के माध्यम से आर्थिक उपार्जन के समुचित उपयोग हेतु कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है तथा चिरौड़ी फार्म पर 3.0 है0 भूमि का सुधारकरफसलोत्पादन हेतु प्रयोग में लाया जायेगा। साथ ही मृदा उर्वरता बढ़ाने के लिए 5000 कुन्तल Press mud compost डाला गया। आगे भी प्रयास जारी रहेगा।

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)

3. फसल सुरक्षा, फसलों की देखभाल, पोषण एवं कीटनाशकों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल एवं उपयोग, निवेश लागत को कम करने और उत्पादकता एवं लाभप्रदता बढाने के विषय में किसानों की शिक्षा और जागरूकता के लिए एक अग्रणी कम्पनी Insecticides (India) Ltd. Foundation के साथ एमओयू अनुसार कार्यवाही करना।
4. स्टार्ट–अप के लिए क्षमता बढाने हेतु कौशल विकास केन्द्र के माध्यम से कौशल विकास प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराना।
5. रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) को दूर करने के लिए कॉम्बोथेरेपी (एलोवेडा थेरेपी) के विकास के अंतर्गत 21 पौधे (हर्बल) के 40 सक्रिय सिद्धांतों की पहचान की जो रोगाणुओं में मौजूद ऑटो इंडयूसर जीन को रोकते है और कोरम सेंसिंग (Microbial communication) को रोकते है जिनका एंटीबायोटिक दवाओं के साथ संयोजन चिकित्सा के लिए इनका अध्ययन किया जा रहा है ताकि रोगाणु विशेष एंटीबायोटिक के खिलाफ प्रतिरोध संचारित न कर सके।
6. पेनसाइड रोग निदान उपकरण के अंतर्गत पहली बार पशु डेयरी फार्म में सबसे रोगजनक ब्रुसेला स्ट्रेन जैसे गर्भपात समस्या को अलग किया और इसके पेनसाइड डायग्नोस्टिक उपकरणों को विकसित करने के लिए एक परियोजना प्रस्ताव BIRAC को प्रेषित किया गया ताकि इसका पता लगाया जा सकें।
7. टीकाकरण जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा 2030 तक ब्रुसेलोसिस, खुरपका एवं मुहपका पशुरोगों के नियंत्रण हेतु 2019 में 13000 करोड़ बजट के साथ राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NADCP) शुरू किया गया है जिसे संबंधित राज्यों द्वारा ग्राम स्तर पर कार्यान्वयन हेतु एक वेक्सीनेटर को एक गॉव सौंपा गया है। हालांकि यह वेक्सीनेटरकोई तकनीकी व्यक्ति नहीं है इसलिये मेरठ के एफएमडी सेंटर ने इस वर्ष 236 प्रतिभागियों के साथ इन वेक्सीनेटरों के लिये एक दिवसीय टीकारण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

प्रसार

1. विश्वविद्यालय द्वारा संचालित 20 कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रक्षेत्र एवं कृषकों के प्रक्षेत्र पर गौ–आधारित प्राकृतिक खेती के प्रदर्शन लगाए जायेगें।
2. कृषि विज्ञान केन्द्रो के माध्यम से कृषि और संबंद्ध क्षेत्रों में ग्रामीण युवाओं और महिलाओं के लिए उद्यमिता विकास हेतु साहित्य उपलब्ध कराना।
3. कृषि प्रसार ऐजेन्टों के माध्यम से कृषि विज्ञान केन्द्रों को कम से कम समय एवं अधिक से अधिक किसानों तक पहुचाना।
4. विश्वविद्यालय विकय केन्द्र के माध्यम से अनाज, दलहन, तिलहन, फलों और सब्जियों के वेल्यू ऐडिड नवीन उत्पादों की बिकी की जायेगी ताकि आय उत्पन्न की जा सकें।
5. खाद्य प्रसंस्करण, एफपीओ और क्लस्टर फार्मिंग के लिए इन्क्यूबेशन/स्टार्ट–अप केन्द्रों की स्थापना।
6. वैश्विक प्रदर्शन के लिए कृषि उत्पाद प्रसंस्करण ज्ञान और सूचना पर ई–संसाधनों का विकास।

दो साल की कार्य योजना

शिक्षा

1. कृषि शिक्षा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुसार सुनिश्चित करना।

शोध

1. कटाई एवं तुड़ाई उपरान्त होने वाली क्षति को कम करने के उद्देश्य से विभिन्न कटाई उपरान्त प्रौद्योगिकी विकसित करना एवं फल एवं सब्जियों के मूल्य वर्धित पदार्थ तैयार करने को प्रोत्साहित करना।

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)

2. तिरस्कृत फसलों के उत्पाद पर पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नॉलाजी एवं मूल्यवर्धन आधारित तकनीकी विकसित करने हेतु शोध कार्य।
3. देसी गोवंश के संरक्षण एवं पशुओ में कृषको हेतु उपयोगी पशु प्रजनन तकनीक जैसेकि कृत्रिम गर्भाधन एवं हिमकृितवीर्य की गुणवत्ता सुधार हेतु शोध परियोजनाये तैयार कर बाहृय वित्त पोषित संस्थाओं को प्रेषित करना तथा शोध कार्य करना।
4. विश्वविद्यालय द्वारा डेयरी पशुओं के लिये विकसित खनिज मिश्रण का परीक्षण एवं मूल्य निर्धारण।
5. बरबरी बकरियों के बेहतर जर्मप्लाज्म का संरक्षण और पुनरोद्धार करना।
6. गुणवत्तापूर्ण मांस के लिए देशी भेड़ की मुजफ्फरनगर नस्ल का संरक्षण एवं बहुलीकरण करना।
7. अनुसंधान और संस्थागत क्षमता निर्माण के लिए 100 प्रतिशत प्राकृतिक और सुरक्षित हर्बल पशु स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों के निर्माण में अग्रणी, आयुर्वेद लिमिटेड, दिल्ली के साथ एमओयू अनुसार कार्यवाही करना।
8. संक्रामक रोगों के लिए ऐप आधारित रिपोर्टिंग प्रणाली (FMDRS) के अंतर्गत संक्रामक रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए आवश्यक कार्यवाही करना।

प्रसार

1. कृषि में बढती लागत एवं रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग को कम करने के लिए गौ–आधारित प्राकृतिक खेती एवं जैविक खेती को अपनाने तथा बढ़ावा देने के लिए कृषकों को प्रशिक्षण, प्रक्षेत्र प्रदर्शन के माध्यम से कृषकों को जागरूक किया जायेगा।
2. 06 कृषि विज्ञान केन्द्रों के सुदृढ़ीकरण हेतु रू0 1075.40 लाख का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया जिससे प्रसार संबंधित गतिविधियों को गति मिलेगी।

पॉच साल की कार्य योजना

शिक्षा

1. कृषि शिक्षा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप सुनिश्चित करना।

शोध

1. कम पानी की आवश्यकता की तकनीक विकसित करने के लिए सूक्ष्म जल तकनीक आदि पर शोध कार्यक्रम आयोजित करना।
2. एकीकृत पोषक तत्व प्रबन्धन, एकीकृत कीटनाशी प्रबन्धन आदि तकनीकों को बढ़ावा देना तथा इनके प्रदर्शन आयोजित करना।
3. किसानों की आय बढाने, मृदा उर्वरता, प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग हेतु फसल विविधिकरण पर शोध कार्य करना।
4. बागवानी में Drip irrigation एवं Fertigation के माध्यम से फल वृक्षों के उत्पाद बढाने पर शोध कार्य।
5. Abiotic stress हेतु सब्जियों/औषधीय पौधों/गेहूं/दालों की जीनोटाइप की पहचान एवं चयन करना। साथ ही Abiotic stress के लिए डिजाइन किए गए नवीन आणविक मार्करों का विकास और सत्यापन करना।
6. संसाधन सृजन के विविधीकरण हेतु –
   - पोषक तत्व आधारित कृषि
   - संरक्षित खेती एवं हाइड्रोपोनिक्स तकनीक का विस्तार
   - रोपण साग्रमी का बड़े पैमाने पर प्रसार
   - शहरी खेती, वर्मी–कम्पोस्ट, जैव उर्वरक, जैव एंजाइम, जैव कीटनाशक का प्रयोग

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)

- पर्यावरण आधारित एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल का विकास और सत्यापन
- सर्वेक्षण, निगरानी, उर्वरकों कीटनाशकों का प्रयोग एवं किसानों तथा पर्यावरण सुरक्षा के लिए ड्रोन प्रौद्योगिकी का उपयोग
- रोबोटिक्स खेती
- मूल्य श्रंखला विकास और विपणन
- कम लागत, उर्जा कुशल, उच्च उत्पाद वसूली प्रसंस्करण मशीनों का विकास
- नवीन उत्पाद जैसे चुकंदर एवं केले के चिप्स, फलों के रस आदि
- डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट कार्यक्रम
- विश्वविद्यालय ब्रांडिंग एवं ग्लोबल विजिबिलिटी।

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)

Registrar
S.V.P. Uni. of Agri. & Tech.
Meerut-250110 (U.P.)